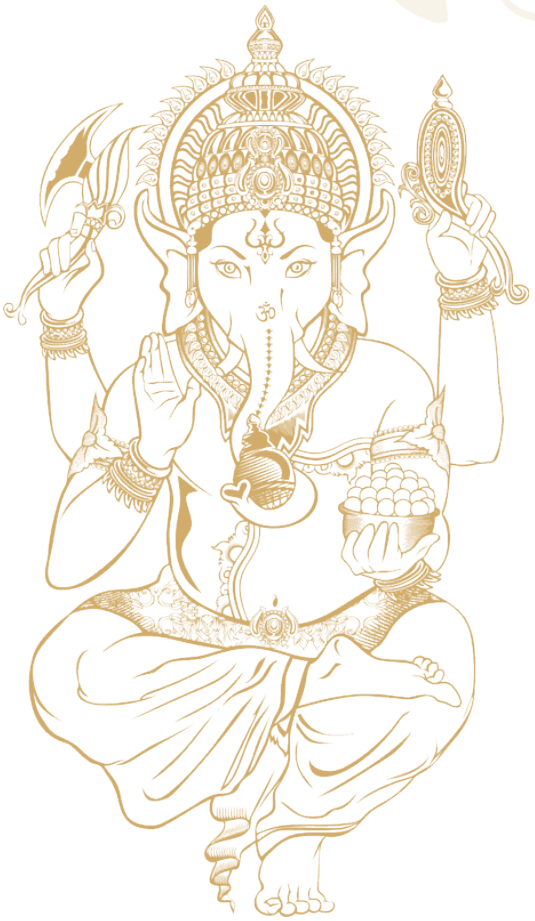

Shalu

29 Dec 1997

08:05 AM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121921303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/12/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:05:00 घंटे**
इष्ट	02:23:17 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:47:08 घंटे
वेलान्तर	-00:02:00 घंटे
साम्पातिक काल	14:17:31 घंटे
सूर्योदय	07:07:41 घंटे
सूर्यास्त	17:32:16 घंटे
दिनमान	10:24:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:34:49 धनु
लग्न के अंश	26:45:55 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	26:45:55	371:59:12	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			धनु	13:34:49	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	06:02:46	13:31:37	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			मक	14:39:49	00:47:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	23:25:48	00:14:22	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	सम राशि
गुरु			मक	27:49:25	00:12:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र	व		मक	10:00:34	00:05:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	19:51:12	00:01:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	18:56:31	00:11:51	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	18:56:31	00:11:51	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	13:08:15	00:03:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	05:00:39	00:02:09	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	12:50:10	00:02:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			तुला	12:53:12	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:40

लग्न-चलित

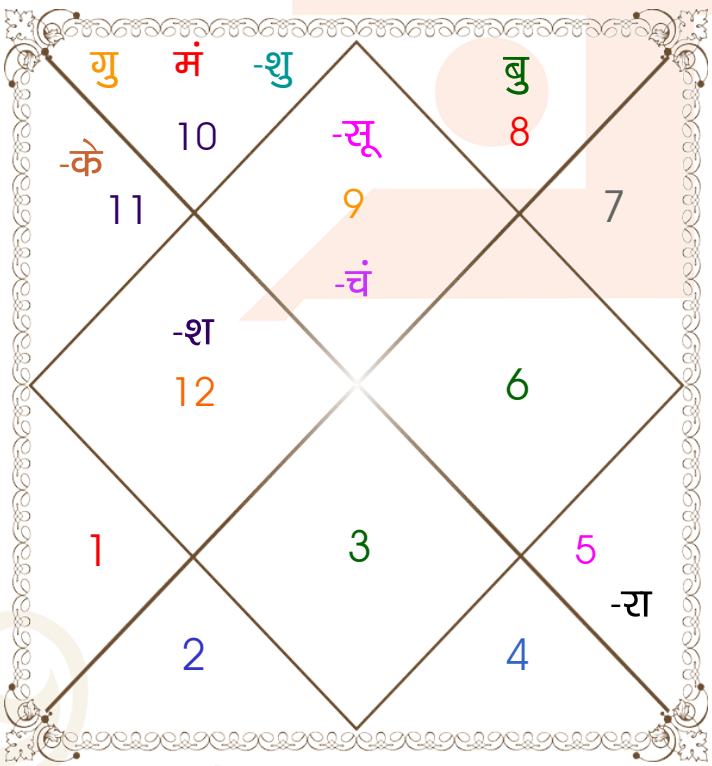

चन्द्र कुंडली

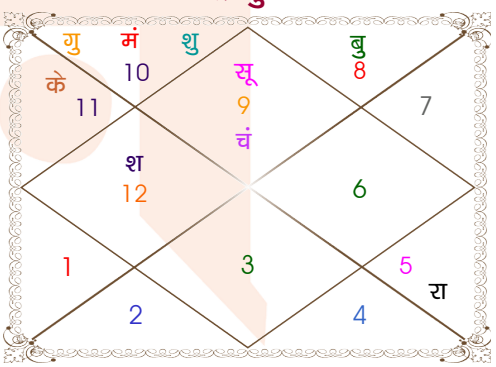

नवमांश कुंडली

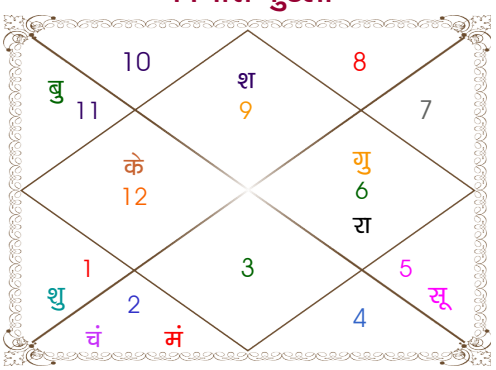

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 9 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/12/1997		26/10/2001		26/10/2021		27/10/2027		26/10/2037	
26/10/2001		26/10/2021		27/10/2027		26/10/2037		26/10/2044	
	00/00/0000	शुक्र	25/02/2005	सूर्य	13/02/2022	चंद्र	26/08/2028	मंगल	24/03/2038
	00/00/0000	सूर्य	25/02/2006	चंद्र	14/08/2022	मंगल	27/03/2029	राहु	12/04/2039
	00/00/0000	चंद्र	27/10/2007	मंगल	20/12/2022	राहु	26/09/2030	गुरु	18/03/2040
	00/00/0000	मंगल	26/12/2008	राहु	14/11/2023	गुरु	26/01/2032	शनि	27/04/2041
	29/12/1997	राहु	27/12/2011	गुरु	01/09/2024	शनि	26/08/2033	बुध	24/04/2042
राहु	14/10/1998	गुरु	27/08/2014	शनि	14/08/2025	बुध	26/01/2035	केतु	20/09/2042
गुरु	20/09/1999	शनि	26/10/2017	बुध	21/06/2026	केतु	27/08/2035	शुक्र	20/11/2043
शनि	29/10/2000	बुध	26/08/2020	केतु	26/10/2026	शुक्र	27/04/2037	सूर्य	27/03/2044
बुध	26/10/2001	केतु	26/10/2021	शुक्र	27/10/2027	सूर्य	26/10/2037	चंद्र	26/10/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/10/2044		26/10/2062		26/10/2078		26/10/2097		27/10/2114	
26/10/2062		26/10/2078		26/10/2097		27/10/2114		00/00/0000	
राहु	09/07/2047	गुरु	14/12/2064	शनि	29/10/2081	बुध	25/03/2100	केतु	26/03/2115
गुरु	02/12/2049	शनि	27/06/2067	बुध	08/07/2084	केतु	22/03/2101	शुक्र	25/05/2116
शनि	08/10/2052	बुध	02/10/2069	केतु	17/08/2085	शुक्र	21/01/2104	सूर्य	30/09/2116
बुध	27/04/2055	केतु	08/09/2070	शुक्र	17/10/2088	सूर्य	26/11/2104	चंद्र	01/05/2117
केतु	15/05/2056	शुक्र	09/05/2073	सूर्य	29/09/2089	चंद्र	28/04/2106	मंगल	27/09/2117
शुक्र	15/05/2059	सूर्य	25/02/2074	चंद्र	30/04/2091	मंगल	25/04/2107	राहु	30/12/2117
सूर्य	08/04/2060	चंद्र	27/06/2075	मंगल	08/06/2092	राहु	11/11/2109		00/00/0000
चंद्र	08/10/2061	मंगल	02/06/2076	राहु	15/04/2095	गुरु	17/02/2112		00/00/0000
मंगल	26/10/2062	राहु	26/10/2078	गुरु	26/10/2097	शनि	27/10/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आप जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगी। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानती हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देती हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगी। आप बहुत धन संग्रह करेंगी। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगी तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगी। जो आप पर विश्वास करेगा, आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगी। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहती हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगी क्योंकि वे आपकी कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपके संरक्षण की अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपने कुशल एवं प्रिय पति के साथ आनंद प्राप्त करेंगी तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगी। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगी। आपका घर अन्यों की अपेक्षा ईर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकती हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपको स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर ली तो आप रोग मुक्त हो सकती हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।